PDF Complete
Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

वसीयत-नामा

..... आयु ..... वर्ष, निवासी..... की हूँ । मैं काफी वृद्ध एवं अशक्त हो गई हूँ तथा प्रायः बीमार रहती हूँ । मेरे जीवन का कोई भरोसा नहीं हैं जिसका सूर्यास्त कभी भी हो सकता है ।

मेरा कोई पुत्र नहीं है तथा मेरे पति की मृत्यु ..... वर्ष पूर्व हो गई है । मेरी इस वृद्धावस्था एवं उक्त दशा में, मैं अपने भांजे (बहन के लड़के) के साथ निवास कर रही हूँ, जो पूरी निष्ठा से मेरी सेवा सुश्रुषा कर रहा हैं तथा समुचित देख-रेख व इलाज की व्यवस्था कर रहा हैं । मैं उसके इस सेवाभाव से अत्यधिक प्रसन्न व संतुष्ट हूँ ।

मैं मध्यप्रदेश राज्य में निम्नलिखित अनुसूची में दी गई चल एवं अचल सम्पत्ति की मालिक एवं काबिज हूँ :-

अनुसूची

मैं अपनी मेरी मृत्यु के पश्चात् उक्त संपत्ति की व्यवस्था इस वसीयत के द्वारा अपनी जीवनकाल में करना चाहती हूँ । अतः इस वसीयत के द्वारा मैं अपनी उक्त सारी चल एवं अचल सम्पत्ति तथा अन्य कोई सम्पत्ति जो मेरी मृत्यु के समय मेरे अधिपत्य एवं स्वामित्व में हो या जिन्हें प्राप्त करने की मैं अधिकारी हूँ, श्री ..... आत्मज..... उम्र..... वर्ष, निवासी ..... के पक्ष में वसीयत करती हूँ । मेरे जीवनकाल तक इन सबकी स्वामी एवं अधिपति मैं रहूंगी तथा उनका उपयोग एवं उपभोग करती रहूंगी। मेरी मृत्यू के बाद श्री ..... आत्मज..... उम्र..... वर्ष, निवासी ..... को इस संपत्ति में सारे हित, स्वत्व और अधिकार प्राप्त हो जाएंगे । मेरे किसी उत्तराधिकारी को ऐतराज लेने का कोई अधिकार नहीं रहेगा ।

उपर्युक्त के साक्ष्यस्वरूप मैने आज दिनांक ..... माह ..... सन् ..... को . ..... के दिन ..... नगर में अपने हस्ताक्षर कर दिये है ।

स्थान :-.....

दिनांक :-..... हस्ताक्षर .....

(वसीयतकर्ता)

उक्त इच्छा-पत्र श्रीमती ..... द्वारा अपने अंतिम इच्छा-पत्र और वसीयत के रूप में हम दोनों की एक साथ उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया, और हम दोनों ने उसकी उपस्थिति में और एक दूसरे की उपस्थिति में साक्षियों के रूप में हस्ताक्षर कर दिये ।

साक्षीगण :-

(1) .....

(2) .....

स्थान :-..... हस्ताक्षर .....

दिनांक :-..... (वसीयतकर्ता)